B.S.N.V. P.G. College, Charbagh Lucknow

Department of History (MIH)

(B.A. V Semester) Paper II (History of World)

Dr. Nilima Gupta

Lecture Paris Part -1

Unit I

पेरिस शांति – समझौता 1919 (Peace Settlement of Paris 1919)

जर्मनी ने 11, नवम्बर 1918 को मित्र सेना के सामने समर्पण कर दिया ,उसके साथ ही प्रथम विश्व युद्ध का समापन हो गया।एक ओर पराजित देश - अस्ट्रिया,हंगरी, टर्की एवम् जर्मनी भावी व्यवस्थाओं को लेकर भयभीत थे वहीं मित्र राष्ट्र विजय के उन्माद से भरे हुए थे। ई एच कार ने ठीक ही लिखा है- विजय के आनंद के नीचे चिंता के अस्फुट स्वर सुनाई दे रहे थे। वास्तव में यह एक जटिल कार्य था।मित्र राष्ट्रों के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न था।

शांति सम्मेलन पहले जनेवा में होने वाला था बाद में फ्रांस के सम्मान के लिए पेरिस को चुना गया।इस सम्मेलन में 32 राष्ट्रों ने भाग लिया।– ब्रिटेन,फ्रांस,अमेरिका,क्यूबा, चीन,जापान,इटली,ब्राजील, हेती, हेडजाज, ग्रीस, चेकोस्लोवाकिया, गोटमाला, होंडुरस, युगोस्लाविया, लाइबेरिया, पनामा, कमाबिया पुर्तगाल, पोलैंड, निकारागुआ, स्याम, आस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिणी अफ्रीका के संघ, बोलीबिया, युरोगो, इक्युडोर,एवम् पीरू।इस सम्मेलन में रूस, अस्ट्रिया,हंगरी,एवं जर्मनी को नहीं बुलाया गया था।–

1 – वार्साय की सन्धि 28 जून 1919 (Treaty of Versailles)

- सम्मेलन का प्रथम अधिवेशन 18, जनवरी 1919 को हुआ ।
- पहले 32, राष्ट्रों की समिति थी। घटा कर 10, फिर 4, कर दी गई।
- 8, जनवरी 1919 को औपचारिक उद्घाटन फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति पुओकर ने किया।
- मित्र राष्ट्रों को विभिन्न देशों के साथ शांति संघ करने में पूरे 5, साल लगे। इस सम्मेलन में अनेक राष्ट्रों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे लेकिन निर्णायक प्रभाव अमेरिका के राष्ट्रपति वु डरो विल्सन ,ब्रिटेन के प्रधानमंत्री लॉयड जार्ज तथा फ्रांस के प्रधानमन्त्री जार्ज कलीमेंशों का ही पड़ा।

पेरिस – संधि में निम्न समझौते हुए।–

- वर्साय की सन्धि (Treaty of Versailles)
- 6, मई 1919 को सन्धि का प्रारूप तैयार हो गया था।
- इस संधि में 15 , भाग थे।
- 7, मई 1919 को 230 पृष्ठ का ड्राफ्ट दिया गया था। इसमें तीन सप्ताह का समय विचार करने के लिए दिया गया था।
- जर्मन प्रतिनिधियों ने संधि – पत्र के सम्बन्ध में 443 पृष्ठ का विस्तृत स्मरण – पत्र मित्र राष्ट्रों को दिया । मित्र राष्ट्र इसके लिए तैयार नहीं थे। जर्मनी से 5, दिन के भीतर संधि – पत्र पर हस्ताक्षर करने की चेतावनी दी।जर्मनी को विवश होकर हस्ताक्षर करने पड़ा। सन्धि की व्यवस्थाएं इस प्रकार थीं।–

वुडरो विल्सन के 14 सूत्री कार्यक्रम में सभी देशों के लिए निः शस्त्रीकरण का प्राविधान था ,लेकिन इसे जर्मनी पर लागू किया गया।

- जर्मनी की जल,थल, व नभ की सेना की संख्या एक लाख कर दी गई।नौसेना की संख्या 1500 कर दी गई।
- सैनिक अधिकारी कम से कम25 वर्ष, साधारण सेना12 वर्ष तक सेना में रहेगी।
- जर्मनी में 6 युद्ध पोत ,6 हल्के क्रूज़र ,12 तोपची जहाज, और 12 तारपीडो , नावें रख सकता था

  इस प्रकार अनेक कठोर प्रतिबन्ध लगाए है थे। कार के अनुसार - 1924 तक जर्मनी का जितना निः शस्त्रीकरण कर दिया गया था वह आधुनिक इतिहास में उल्लिखित किसी भी निः शस्त्रीकरण से अधिक कठोर पूर्ण थी।

Lecture on Paris to be continue …